**भारत सरकार**

**विद्युत मंत्रालय**

**....**

 **राज्य सभा**

अ**तारांकित प्रश्न संख्या-87**

**जिसका उत्तर** 24 नवंबर**, 2014 को दिया जाना है ।**

**अंतर क्षेत्रीय ग्रिडों का सुदृढ़ किया जाना**

**87. श्री अम्बेथ राजनः**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पांच ग्रिडों के अंतर-क्षेत्रीय संयोजनों को सुदृढ़ करने में अभी तक कठिनाइयों का सामना कर रही है, जिससे एक ग्रिड से दूसरे ग्रिड में विद्युत का पारेषण बाधित होता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) एक ग्रिड से दूसरे ग्रिड में विद्युत के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा अंतर-क्षेत्रीय ग्रिड संयोजनों को सुदृढ़ करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**विद्युत, कोयला एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क) से (ग) :** वर्तमान में, सभी क्षेत्रीय ग्रिडों अर्थात उत्तरी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, पूर्वोत्तर क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र को सिंक्रोनस मोड में प्रचालित किया जा रहा है। इस प्रकार, सम्पूर्ण राष्ट्र एक ग्रिड के रूप में प्रचालनरत है। दिनांक 31.10.2014 की स्थिति के अनुसार, अन्तर-क्षेत्रीय लिंको की कुल पारेषण क्षमता 44250 मेगावाट है। 12वीं योजना के अंत तक अन्तर-क्षेत्रीय क्षमता को 68050 मेगावाट तक बढ़ाने की योजना बनाई गई है।

\*\*\*\*\*\*\*\*